सांध्य दैनिक

# 4PM

कमजोर कभी क्षमाशील नहीं हो सकता है। क्षमाशीलता ताकतवर की निशानी है।
-राष्ट्रपिता महात्मा गांधी





मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 155 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 11 जुलाई, 2022

अगले पांच साल में सड़कों... 8
मिशन 2024: भाजपा ने तैयार... 3
कांग्रेस को झटका, कमलेश ... 7


# सरकार ने तोड़ी गन्ना माफियाओं की कमर सहकारी चीनी मिलें लाभ में आईं तो किसानों को देंगे बोनस : योगी

» अब कोई नहीं छीन सकता उनका हक, किसानों की खुशहाली हमारा लक्ष्य

» नए सत्र से पहले शत प्रतिशत कर दिया जाएगा भुगतान

» मुख्यमंत्री ने किसानों को वितरित किए शेयर सर्टिफिकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के गन्ना किसानों को अंशधारक प्रमाणपत्र ( शेयर सर्टिफिकेट) वितरित किए। यह पहली बार है जब गन्ना किसानों को अंशधारक प्रमाण पत्र वितरित किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रदेश के गन्ना माफियाओं की कमर तोड़ दी है। साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि प्रदेश की सहकारी चीनी मिलें जब लाभ में आएंगी तो किसानों को बोनस भी दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसानों को नए सत्र के शुभारंभ से पहले गन्ना के बकाये का शत प्रतिशत भुगतान कर दिया जाएगा। सरकार किसानों के लिए बड़ा कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। अब किसानों को पराली नहीं जलानी पड़ेगी और बायोफ्यूल से जुड़ी इकाइयां उनके घर से पराली खरीद लेंगी। इससे सीएनजी बनेगा और डीजल पेट्रोल पर निर्भरता कम होगी। सरकार लगातार किसानों के साथ खड़ी है। उत्तराखंड का बजट 61000 करोड़ है लेकिन हमने 177000 करोड़ का किसानों को गन्ना भुगतान किया। सरकार अब विविधीकरण व प्राकृतिक खेती पर काम कर रही है। लोगों को सस्ता ईंधन मिले यही हमारी मंशा है। उन्होंने कहा कि किसान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में हैं। किसानों की खुशहाली हमारी लक्ष्य है। किसानों के लिए हर तरह की सुविधा देने का प्रयास कर रहे हैं। हम गन्ना किसानों के लिए नई तकनीक अपनाने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। किसानों का हक कोई न मार सके इसलिए ई-पर्ची व्यवस्था का प्रयोग किया जा रहा है। हम गन्ने की खेती को बेहतर करने के लिए काम कर रहे हैं। किसानों को अच्छे बीच उपलब्ध करवा रहे हैं। गौरतलब है कि कोई भी गन्ना किसान 200 रुपए की फीस जमाकर विभाग में शेयर धारक हो सकता है।

## ...तो कई नेताओं को लेना होगा रिटायरमेंट

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज लोक भवन में 11 किसान वक्ताओं को सुनने के बाद उनकी जमकर तारीफ की। सीएम ने कहा कि आप ऐसा बोलने लगेंगे तो मुझे लगता है देश के तमाम नेताओं को रिटायरमेंट की तरफ जाना पड़ जाएगा। उन्होंने कहा, यहां पर लगभग 11 किसान भाइयों-बहनों ने अपनी बात रखी। कोई कह नहीं सकता कि किसान हैं यानी किसान तो है लेकिन जिस वाकपटुता का परिचय उन्होंने दिया वो अत्यंत अभिनंदनीय है। मुझे लगता है कि आप ऐसे बोलने लग जाएंगे तो तमाम नेताओं को रिटायरमेंट की ओर जाना पड़ेगा। आप बोल रहे थे क्योंकि आप उस क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। आपको इस क्षेत्र की व्यवहारिक जानकारी है। स्वाभाविक रूप से शासन-सत्ता में जो लोग बैठे होते हैं उन्हें व्यवहारिक कम सैद्धांतिक ज्यादा जानकारी होती है।

## पूर्व की सरकारों पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने पूर्व की विपक्षी सरकारों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें अनिर्णय की शिकार थीं। वे एकतरफा फैसले लेती थीं। वे जो फैसले लेती थीं न तो वह चीनी मिल के पक्ष में होते थे न गन्ना किसानों के पक्ष में होते थे। उनके फैसले स्वयं उनके पक्ष में होते थे। हम लगातार किसानों के लिए काम कर रहे हैं।

## जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का किया शुभारंभ

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सीएम योगी ने आज लखनऊ में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में इस बेहतरीन प्रयास को जन सहभागिता व अंतर विभागीय समन्वय के माध्यम से आगे बढ़ाया जाए। देश और समाज के विकास में सबसे बड़ा अवरोध जनसंख्या वृद्धि है। यह समाज में व्याप्त विभिन्न प्रकार के असंतुलनों का कारक है। भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए आज विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु संकल्पित हों।

# भगोड़े विजय माल्या को चार माह की कैद अबू सलेम को काटनी होगी पूरी सजा

» सुप्रीम कोर्ट का सलेम को राहत देने से इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क





नई दिल्ली। भोगड़े शराबी कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ अवमानना के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज चार महीने की कैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही कोर्ट ने दो हजार का जुर्माना भी लगाया है। वहीं कोर्ट ने 1993 मुंबई विस्फोट मामले में सुनवाई करते हुए अबू सलेम को समय से पूर्व रिहाई देने से इंकार कर दिया।

शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि अगर समय पर जुर्माना राशि जमा नहीं की गई, तो माल्या को दो और महीने की कैद भुगतनी होगी। माल्या को अवमानना के लिए 2017 में दोषी ठहराया गया था। माल्या मार्च 2016 से ब्रिटेन में रह रहे हैं। वहीं अबू सलेम मामले में कोर्ट ने कहा कि 25 साल की सजा पूरी होने के बाद अबू सलेम की रिहाई करनी होगी। सलेम पुर्तगाल में तीन साल की सजा काट चुका चुका है। भारत में 25 साल की सजा की अवधि 10 नवंबर 2030 को समाप्त होगी।

# महाराष्ट्र के 16 विधायकों की अयोग्यता पर अभी फैसला न लें स्पीकर : सुप्रीम कोर्ट

» सुनवाई के लिए गठित की जाएगी नई बेंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



नई दिल्ली। महाराष्ट्र के शिवसेना के 16 विधायकों की अयोग्यता को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई एनवी रमना ने कहा कि फिलहाल स्पीकर इस पर फैसला नहीं लें। अदालत का फैसला आने तक यह कार्यवाही रुकी रहेगी। कोर्ट मामले की तुरंत सुनवाई नहीं कर सकती है, इसके लिए बेंच गठित की जाएगी।

महाराष्ट्र विधान सभा के प्रधान सचिव राजेंद्र भागवत ने कहा था कि राहुल नार्वेकर को विधान सभा अध्यक्ष चुना गया है। उन्हें विधायकों की अयोग्यता का मामला देखना है। ऐसे में डिप्टी स्पीकर की तरफ से भेजे नोटिस को चुनौती देने वाली विधायकों की याचिका का निपटारा कर दे और नए स्पीकर को अयोग्यता पर फैसला करने दें। वहीं उद्धव ठाकरे गुट की ओर दलील सुनने के बाद फैसला लेने पर रोक लगा दी है।

## उद्धव ठाकरे ने लिखा विधायकों को पत्र

मुंबई। महाराष्ट्र में हुई विधायकों की बगावत व सुप्रीम कोर्ट में मामले के बीच उद्धव ठाकरे ने साथ देने वाले 15 विधायकों को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से इन विधायकों का आभार जताया और कहा कि कठिन समय में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। बीते दिनों शिवसेना के 40 विधायक बगावत करने के बाद एकनाथ शिंदे के साथ हो लिए थे।

# साधना के निधन के बाद सुर्खियों में यादव परिवार

## सपा संरक्षक की मां की देखभाल के दौरान हुई थी मुलायम की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। साधना गुप्ता के निधन के बाद समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव सुर्खियों में हैं। हर कोई उनकी पहली पत्नी और पूरे परिवार के बारे में जानना चाहता है। बताना चाहता हूं कि मुलायम सिंह पर फिल्म भी बनी है। इसमें मुलायम को न सिर्फ कुश्ती के अखाड़े से राजनीतिक दंगल का खिलाड़ी बनते दिखाया गया है, बल्कि उनके पूरे परिवार से भी रूबरू कराया गया है। इस रिपोर्ट में हम आपको मुलायम पर बनी फिल्म मैं मुलायम सिंह यादव की कहानी के बारे में बता रहे हैं। साथ ही यह भी बता रहे हैं कि यह फिल्म उनकी जिंदगी के कितनी करीब है। सुवेंदु घोष के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अमित सेठी ने मुलायम सिंह यादव की भूमिका निभाई है।**

वहीं अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह ने मुलायम के भाई शिवपाल सिंह यादव का किरदार निभाया है। प्रेरणा सिंह, मुलायम सिंह यादव की पत्नी के रूप में नजर आई हैं। प्रकाश बलबेटो ने राम मनोहर लोहिया की भूमिका निभाई है और गोविंद नामदेव चौधरी ने चरण सिंह का किरदार अदा किया था। जरीना वहाब और अनुपम श्याम ने क्रमश: मुलायम की मां और पिता का रोल निभाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे उनके गुरु डॉ राममनोहर लोहिया का उद्धरण जिंदा कौम पांच साल तक इंतजार नहीं करती उनका मंत्र बन गया और वह देश के सबसे सफल राजनीतिक नेताओं में से एक बन गए। फिल्म की शुरुआत में दिखाया गया है कि साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले मुलायम के पिता चाहते थे कि मुलायम सिंह पहलवान बने। लेकिन, उनकी किस्मत में कुछ और ही बनना लिखा था। यही कारण है कि एक कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान उनकी मुलाकात स्थानीय राजनीतिक नेता नाथूराम से हुई, जिन्होंने उन्हें राजनीति में प्रवेश करने का पहला मौका दिया था। फिल्म में इस बात का जिक्र भी किया गया है कि कैसे नाथूराम, राम मनोहर लोहिया और चौधरी चरण सिंह ने मुलायम सिंह यादव के राजनीतिक ज्ञान को तैयार और आकार दिया था। इतना ही नहीं फिल्म में मुलायम सिंह के मुख्यमंत्री बनने तक के सफर के दौरान उनकी पहली पत्नी मालती देवी के योगदान की कहानी भी बताई गई है। हालांकि मैं मुलायम सिंह यादव में पूर्व मुख्यमंत्री की दूसरी पत्नी साधना का जिक्र नहीं किया गया है।

### ऐसे हुई थी साधना से मुलाकात

अखिलेश यादव की बायोग्राफी बदलाव की लहर में मुलायम सिंह और साधना के रिश्ते का भी जिक्र है। इस किताब में बताया गया है कि मुलायम की मां मूर्ती देवी अक्सर बीमार रहती थीं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब साधना गुप्ता मूर्ति देवी की देखभाल करती थीं। एक बार सैफई मेडिकल कॉलेज में एक नर्स गलत इंजेक्शन लगाने जा रही थी, उस वक्त साधना ने ही नर्स को रोका था। दरअसल, साधना भी नर्स रही थीं। उन्होंने नर्सिंग का कोर्स करने के बाद उन्होंने कुछ दिनों तक नर्सिंग होम में काम भी किया था। जब ये बात मुलायम को मालूम हुई तो वह साधना से काफी प्रभावित हुए।

### 2003 में मुलायम ने दिया पत्नी का दर्जा

साल 2003 में मुलायम सिंह यादव ने सार्वजनिक तौर पर पहली बार साधना गुप्ता को अपनी पत्नी का दर्जा दिया। उसी साल मुलायम की पहली पत्नी और अखिलेश यादव की मां मालती देवी का निधन हुआ था। साधना गुप्ता को पत्नी स्वीकार करने पर अखिलेश यादव अपने पिता से काफी नाराज हुए थे। कहा जाता है कि तब समझौता हुआ था कि साधना के बेटे प्रतीक यादव राजनीति से दूर रहेंगे। साधना भी राजनीति से दूर ही रहीं। हालांकि बाद में साधना गुप्ता की बहू और प्रतीक की पत्नी अपर्णा यादव ने जरूर राजनीति में कदम रखा। अपर्णा विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुकी हैं। अपर्णा फिलहाल भाजपा में हैं।

# सपा विधायक विजमा यादव के निर्वाचन को चुनौती

### » पूर्व मंत्री राकेशधर ने दाखिल की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रतापपुर विधानसभा सीट से निर्वाचित सपा विधायक विजमा यादव के निर्वाचन को चुनौती दी गई है। मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने जवाब तलब किया है। कोर्ट ने कहा प्रतिवादी मामले में साक्ष्य और रिकार्डों के साथ अपना जवाब दाखिल करें। कोर्ट ने यह भी कहा है कि अगली सुनवाई पर याची अपना जवाब नहीं देता है तो बिना उसकी उपस्थिति के ही याचिका का निस्तारण कर दिया जाएगा।**

कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए छह सितंबर की तिथि लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने प्रतापपुर विधानसभा सीट से अपना दल (एस) के प्रत्याशी रहे और पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी की याचिका पर दिया है। याची की ओर से तर्क दिया गया कि विजयी प्रत्याशी ने अपने हलफनामे में अपने खिलाफ दर्ज केवल दो अपराधों का विवरण प्रस्तुत किया है, जबकि उनके खिलाफ कई और अपराध हैं। प्रतिवादी ने अपने हलफनामे में अपराधिक इतिहास का पूरा विवरण न देकर अपराध किया है। संबंधित तथ्यों को छुपाया है जो की विधि पूर्वक गलत है। जिसकी वजह से उनका नामांकन पत्र खारिज किया जाना चाहिए। याची ने इस संबंध में चुनाव अधिकारी से भी शिकायत की है। हालांकि कोई कार्रवाई ना होने से उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याची की ओर से तर्क दिया गया कि प्रतिवादी ने अपने हलफनामे में पूरी अपराधिक जानकारी का विवरण नहीं दिया है। मामले में उसे प्रक्रिया के तहत जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया जा चुका है।

# योगी-मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने वाला टीचर बर्खास्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी करने वाले शिक्षक अजीत यादव को बर्खास्त कर दिया गया है। अभी तक वह निलंबित चल रहा था। अजीत यादव पर विधानसभा चुनाव में सपा के समर्थन प्रचार करने का आरोप है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अजीत यादव प्रयागराज में कंपोजिट विद्यालय सराय ख्वाजा बहरिया में तैनात थे।**

बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि शिक्षक की बर्खास्तगी का आदेश जारी कर दिया गया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच चल रही थी। विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की गई है। तहरीर में आरोप है कि निलंबित शिक्षक ने लोकसेवक होते हुए भी राजनीतिक दल के लिए जनसंपर्क, जनसभा और प्रचार-प्रसार किया। इसके अलावा देश के संविधानिक पदों पर आसीन लोगों पर अभद्र टिप्पणी करने का भी आरोप है। मामले की जानकारी बीएसए ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को भी दे दी है।

# अच्छे दिनों की उम्मीद में कुछ लोग जिंदा हैं: आजम

### » कोई साहब गलतफहमी में नहीं रहे, हम सब रडार पर हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। रामपुर में समाजवादी पार्टी के कार्यालय में कल शाम ईद मिलन कार्यक्रम में सपा विधायक आजम खान शामिल हुए। इस मौके पर आजम खान का दर्द छलका। उन्होंने कहा कि रामपुर ने बहुत अच्छे दिन देखे है और अच्छे दिनों की उम्मीद में कुछ लोग जिदा हैं। वो इस लड़ाई को लड़ रहे है और आगे भी लड़ेंगे, जहां तक हमसे साथ दिया जाएगा साथ देंगे। हमसे कितनी नफरत है आप जानते हैं।**

हम वजीर रहते अपनी बीवी और बेटे के साथ शराब की दुकान लूटने वाले हैं। गल्ले से 16 हजार 900 रुपए लूटने वाले है तो जिन सरकारों का ये स्तर हो जाए तो आपको ये सोचना चाहिए कि हम सब रडार पर हैं. हम सब रडार पर हैं. कोई साहब गलतफहमी में नहीं रहे। सबकी दीवार एकसी है यहां पर चौकन्ने रहिए और प्यार बांटते रहिए। आजम ने आगे कहा कि बिजली वाले बिना कानून का लिहाज करे लोगों के घर मे घुस जाते हैं। चुनाव में पुलिस खड़े होकर मोटरसाइकिल वालों से पैसा उगाती है और कहती है कि तुम इसी के काबिल हो। ये सुनकर तकलीफ होती है। सपा विधायक ने कहा कि जिनका अच्छा कारोबार है कब पुलिस वाले उसके यहां पहुंच जाएंगे। राजनीति में जो जीता वो ही सिकंदर है। उन्होंने कहा कि अटल विहारी बाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे और बहुत अच्छे आदमी थे। गौरतलब है कि रामपुर के कद्दावर नेता आजम खान दो साल बाद अपने घर ईद उल-अजहा को मनाए। 2017 में यूपी में योगी सरकार के आने के बाद आजम खान के खिलाफ ऐसा कानूनी शिकंजा कसा कि एक के बाद एक 89 मुकदमे दर्ज हो गए।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

# ईको टूरिज्म बोर्ड का गठन होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सबके मिले-जुले प्रयासों से आज उत्तर प्रदेश नेचर, कल्चर और एडवेंचर का संगम बन रहा है। इससे संबंधित जरूरतों को देखते हुए ईको टूरिज्म बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए।**

उन्होंने कहा कि छुट्टियों पर आने वाले पर्यटकों में से 35 प्रतिशत पर्यटकों के ईको-हॉलिडे बुक करने की संभावना अधिक होती है। इससे ग्लोबल ईको टूरिज्म को बढ़ावा मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईको टूरिज्म को गति देने के लिए पर्यटन, सिंचाई, वन, आयुष और ग्राम्य विकास आदि विभागों को एकजुट होकर प्रयास करना होगा। इसके लिए प्रदेश में ईको टूरिज्म बोर्ड का गठन किया जाए। बोर्ड में संबंधित विभागों के मंत्रियों, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, महानिदेशक व निदेशक के साथ-साथ विशेषज्ञों को भी स्थान दिया जाना चाहिए। पर्यटन विभाग को इसका नोडल विभाग बनाया जाना चाहिए। बोर्ड में भारतीय वन सेवा के योग्य अधिकारी को भी स्थान दिया जाए। बोर्ड गठन की कार्यवाही यथाशीघ्र पूरी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बोर्ड, पर्यटन व सांस्कृतिक विरासत मूल्यों का प्रचार-प्रसार, स्थानीय समुदायों की कौशल क्षमता का निर्माण, पर्यटकों के लिए यात्रा कार्यक्रम तैयार करना आदि काम करेगा।

# मिशन 2024 : भाजपा ने तैयार किया रोडमैप
# बूथ मजबूत करने के अभियान को देगी धार

» पहले चरण में पार्टी एक लाख 73 हजार से अधिक मतदान बूथों को करेगी सशक्त

» पन्ना प्रमुखों की व्यवस्था भी करेगी दुरुस्त, पचास फीसदी से अधिक मत हासिल करने का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा अभी से लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। इसका पहला रोडमैप तैयार कर लिया गया है। इसके तहत पार्टी प्रदेश में 1 लाख 73 हजार से अधिक मतदान बूथों को सशक्त करेगी। पन्ना प्रमुखों की व्यवस्था दुरुस्त बनाएगी। वहीं पार्टी राजनीतिक, सामाजिक व राष्ट्रीयता से जुड़े कार्यक्रमों के जरिये जनता के बीच जाकर मोदी और योगी सरकार की उपलब्धियां बताएगी। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को जोड़कर 50 प्रतिशत से अधिक मत हासिल करने का प्रयास करेगी।

प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों की बैठक में लोक सभा चुनाव की तैयारियों के पहले चरण का रोडमैप तैयार किया गया। भाजपा ने प्रदेश की 80 लोक सभा सीटों में से 75 जीतकर लगातार तीसरी बार यूपी के जरिये केंद्र की सत्ता पर काबिज होने की योजना बनाई है। प्रदेश भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व से मिले एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए यह योजना बनाई है। पार्टी के महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने बताया कि प्रदेश के 1.73 लाख से अधिक बूथों को ए, बी, सी और डी श्रेणी में बांटा गया है। इनमें से करीब 40 हजार बूथ मुस्लिम बहुल हैं। करीब 22 हजार बूथ ऐसे हैं जहां 2022 विधान सभा चुनाव में भाजपा कमजोर रही। सभी सांसदों, विधान सभा क्षेत्र संयोजकों के साथ प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्ष और जिला प्रभारियों को इन बूथों के क्षेत्र में लगातार प्रवास कर इन्हें सशक्त बनाना होगा। बूथों पर पार्टी के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जोड़ने के साथ लाभार्थियों से संपर्क कर उन्हें पार्टी से मजबूती के साथ जोड़ा जाएगा। भाजपा ने सभी जिलाध्यक्षों को जिला कार्यसमिति की बैठक 15 जुलाई तक करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिला पदाधिकारियों के साथ जिला प्रभारी, जिला संयोजक, विधान सभा क्षेत्र संयोजक, विधान सभा क्षेत्र प्रभारी, मंडल अध्यक्ष और अग्रिम मोर्चों के जिलाध्यक्ष मौजूद रहेंगे। वहीं नेतृत्व ने अपने सभी मोर्चों के प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। बैठक में तय किया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के एक मात्र ऐसे नेता हैं जो लगातार 20 वर्ष से गुजरात के मुख्यमंत्री के बाद देश के प्रधानमंत्री है। मोदी पर एक लिखी गई किताब मोदी एट 20 को सभी पदाधिकारी पढ़ेंगे। किताब को पढ़कर संगठनात्मक कार्यक्रम के जरिये जनता के बीच जाकर जनता को बताएंगे कि किस तरह मोदी ने मुख्यमंत्री रहते गुजरात और प्रधानमंत्री रहते देश को बुलंदियों पर पहुंचाया है।

## तेलंगाना का प्रयोग दोहराने की तैयारी

तेलंगाना में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने हर बूथ से एक-एक हजार रुपये का चंदा कर राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक कराई है। 119 विधान सभा क्षेत्रों की बैठकों के साथ पीएम मोदी की तीन लाख लोगों की रैली कराई है। भाजपा यहां भी ऐसा प्रयोग करने की तैयारी कर रही है।

## हर घर तिरंगा फहराने का कार्यक्रम

आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 15 अगस्त 2022 को भाजपा हर घर तिरंगा फहराएगी। 13 अगस्त तक सभी जिलों, मंडल और शक्ति केंद्रों तक पर्याप्त संख्या में तिरंगे झंडे पहुंचाए जाएंगे। हर घर पार्टी के दो-दो लोग जाकर तिरंगा लगाएंगे।

## सीएम योगी करेंगे समीक्षा

भाजपा पूरी तरह मिशन 2024 के मोड में आ गई है। भाजपा के बूथ सशक्तिकरण अभियान को धार देने 12 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर जाएंगे। दो दिवसीय दौरे में मुख्यमंत्री भाजपा को वोट के लिहाज से कमजोर साबित हो रहे बूथों की समीक्षा करेंगे।

# बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे योगी की एक और सौगात
# मोदी बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का 16 जुलाई को करेंगे लोकार्पण

» यूपी बना 13 एक्सप्रेस-वे वाला देश का पहला राज्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में देश के सबसे बड़े एक्सप्रेस-वे नेटवर्क की आधारशिला रखी है। आने वाले समय में दुनिया के कई देशों से अधिक एक्सप्रेस-वे कनेक्टिविटी प्रदेश में होगी। प्रदेश 13 एक्सप्रेस-वे वाला देश का पहला राज्य बना है। 32 सौ किलोमीटर के कुल 13 एक्सप्रेस-वे में से सात पर काम चल रहा है जबकि छह एक्सप्रेस-वे संचालित हैं। 296 किमी लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को 16 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पित करेंगे।

इसके माध्यम से बुंदेलखंड दिल्ली से सीधे जुड़ेगा। बता दें कि बुंदेलखंडवासियों को एक्सप्रेस-वे की सौगात मिलने जा रही है। 28 महीने में बनकर तैयार हुए 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन प्रधानमंत्री करेंगे, उनके आगमन को लेकर तैयारियां काफी तेज चल रही हैं। बुंदेलखंड के सात जिलों को जोड़ने वाले इस एक्सप्रेस-वे के बनने से दिल्ली की दूरी तो कम होगी साथ ही वाहनों की रफ्तार भी बढ़ जाएगी।

## सात जिलों को होगा फायदा

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे में बुंदेलखंड के सात जिलों को फायदा मिलेगा। एक्सप्रेस-वे में चार रेलवे ओवरब्रिज, 11 बड़े पुल, छह टोल प्लाजा, सात रैंप प्लाजा, 266 छोटे पुल (लघु सेतु) और 18 फ्लाई ओवर भी बनाए गए है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे जिन जनपदों के गांवों से गुजर रहा है। उसमें सबसे ज्यादा 64 गांव जालौन जिले के हैं। औरैया जिले में 37, हमीरपुर जिले में 29, बांदा जिले में 28, चित्रकूट जिले में 9, महोबा जिले में 8 और इटावा जिले के 7 गांव शामिल हैं।

## मुफ्त नहीं होगा एक्सप्रेस-वे का सफर

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का सफर मुफ्त नहीं होगा। एक्सप्रेस-वे पर दौड़ने वाले वाहनों को टोल टैक्स भी अदा करना होगा। यूपीडा के मुताबिक पूरे 296 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस-वे में 13 स्थानों पर टोल टैक्स लिया जाएगा। किसी भी स्थान से प्रवेश करने पर एक बार टोल टैक्स देना होगा। यह सूचना आरटीआई में दी गई है।

## उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क

### संचालित एक्सप्रेस-वे

1. यमुना एक्सप्रेस-वे - 165 किमी
2. नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे - 25 किमी
3. आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे - 302 किमी
4. दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे - 96 किमी
5. पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे- 341 किमी
6. बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे- 296 किमी

### निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे

1. गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे- 91 किमी
2. गंगा-एक्सप्रेस-वे- 594 किमी
3. लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे 63 किमी
4. गाजियाबाद-कानपुर एक्सप्रेस-वे 380 किमी
5. गोरखपुर-सिलिगुड़ी एक्सप्रेस-वे 519 किमी
6. दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस-वे- 210 किमी
7. गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट एक्सप्रेस-वे- 117 किमी

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# चिकित्सा सेवाओं में सुधार कब?

*सरकार के तमाम दावों के बावजूद प्रदेश की चिकित्सा सेवाएं सुधरने का नाम नहीं ले रही हैं। सरकारी अस्पताल न सिर्फ चिकित्सकों बल्कि जरूरी दवाओं और जांच उपकरणों की कमी से जूझ रहे हैं। लिहाजा आम आदमी को बेहतर इलाज नहीं मिल पा रहा है और वे निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराने को मजबूर हैं। सवाल यह है कि सरकारी अस्पतालों में मानकों के हिसाब से चिकित्सकों की नियुक्ति क्यों नहीं की जा रही है? दवाओं और जांच उपकरणों की कमी को दूर करने के लिए जरूरी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? मरीजों को जांच कराने के लिए लंबा इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शो पीस क्यों बने हुए हैं? जेनरिक दवा केंद्रों से दवाएं क्यों नहीं मिल पा रही हैं? क्या मेडिकल कॉलेजों की स्थापना भर से स्वास्थ्य सेवाएं दुरुस्त हो जाएंगी? क्या आम आदमी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?*

*प्रदेश में कई सरकारें आईं और गईं लेकिन यहां के सरकारी अस्पतालों की हालत आज तक नहीं सुधर सकी है। सरकार के दावों के ठीक विपरीत इनकी स्थिति बिगड़ती जा रही है। अधिकांश अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी है। जिला अस्पतालों, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों के 42 फीसदी पद रिक्त हैं। वहीं मेडिकल कॉलेजों में 25 प्रतिशत पद खाली हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है। यह स्थिति तब है जब मानक के मुताबिक एक हजार की आबादी पर कम से कम एक चिकित्सक होना ही चाहिए। विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए नियमों में बदलाव किया गया। फिर भी इस कमी को पूरा नहीं किया जा सका। मेडिकल कॉलेजों व चिकित्सा संस्थानों में तीन हजार पदों में से 750 पद खाली हैं। वहीं अस्पतालों में दवाओं की किल्लत बनी रहती है। जरूरी दवाएं तक मरीजों को उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। जांच उपकरणों की कमी के कारण मरीज को पंद्रह से एक महीने की डेट दी जा रही है। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं का हाल और भी बदतर है। यहां सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शो पीस बनकर रह गए हैं। अधिकांश केंद्रों में चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते हैं। इसके कारण जिला अस्पतालों में मरीजों का बोझ बढ़ता जा रहा है और एक चिकित्सक कम से कम रोजाना तीन से चार हजार मरीजों को देखता है। यदि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाना चाहती है तो उसे मानव संसाधनों को बढ़ाना होगा। दवाओं और जांच उपकरणों की कमी को दूर करना होगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में एक मजबूत चिकित्सा तंत्र भी विकसित करना होगा।*

**“ प्रदेश में कई सरकारें आईं और गईं लेकिन यहां के सरकारी अस्पतालों की हालत आज तक नहीं सुधर सकी है। सरकार के दावों के ठीक विपरीत इनकी स्थिति बिगड़ती जा रही है। अधिकांश अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी है। जिला अस्पतालों, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों के 42 फीसदी पद रिक्त हैं। वहीं मेडिकल कॉलेजों में 25 प्रतिशत पद खाली हैं।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# अपने देश में ही शरणार्थी बनते लोग

पंकज चतुर्वेदी

तीस जून की रात मणिपुर के नोनी जिले के रेलवे निर्माण स्थल पर कहर बनकर आई। एक समूचा पहाड़ टूट कर कोई 300 फुट नीचे गिरा और पूर्वोत्तर राज्यों को आसियान देशों से सीधे जोड़ने के इरादे से बन रही 111 किलोमीटर रेल लाइन के जरीबार-तुपुल निर्माण कैंप को निगल गया। मरने वालों में एक दर्जन से अधिक सेना के जवान हैं, कुछ रेलवे के कर्मचारी व निर्माण कंपनी के इंजीनियर व स्थानीय नागरिक हैं। यह किसी से छुपा नहीं है कि मणिपुर के लोग इस परियोजना से खुश नहीं हैं। इसके कारण वहां जमकर जंगल तो कटे ही हिमालय रेंज के नये पहाड़ों के बेतरतीब काटने के संभावित खतरों पर कोई अध्ययन भी नहीं हुआ। सनद रहे 2014 से 2020 के बीच मणिपुर में भूस्खलन की 20 बड़ी घटनाएं हुई हैं। असल में समूचा पूर्वोत्तर एक तरफ हिमालय पर्वतमाला से आच्छादित है तो उसकी भूमि ब्रह्मपुत्र-बराक नदी तंत्र से बहकर आई मिट्टी से निर्मित है। वहां की नदी धारा या नदी में जल आगम मार्ग में थोड़ा भी व्यवधान होता है तो बड़ी प्राकृतिक आपदा आती है।

जिस जगह पर यह भयावह हादसा हुआ, वहां पहाड़ों से नीचे उतर कर इजेई नदी आती है। यह इरांग नदी की सहायक है और नगा बहुल जिलों—सेनापति, तमेंगलांग और नाने में बहती है और यहां के लोगों के जीवन का आधार है। यह नदी आगे चलकर बराक में मिल जाती है। लगातार निर्माण, सुरंग बनाने के लिए भारी मशीनों के इस्तेमाल से इस नदी के नैसर्गिक जल प्रवाह में व्यवधान आया और इसी के चलते घाटी पर मिट्टी की पकड़ कमजोर हुई, जिसके आंचल तले रेलवे स्टेशन निर्माण का कैंप लगा था। वैसे भी बीते एक महीने के दौरान कई बार ऐसा हुआ कि त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और दक्षिणी असम का बड़ा हिस्सा देश से सड़क मार्ग से पूरी तरह कटा रहा क्योंकि राष्ट्रीय राजमार्ग-6, मेघालय के पूर्वी जयंतियां जिले में जमीन कटाव से पूरी तरह नष्ट हो गया था। वहां एक बार सड़क ठीक की गई और 24 घंटे में दूसरी बार फिर पहाड़ टूट कर सड़क पर आ गया। सोनापुर सुरंग लुम-श्योन के पास बंद हो गई। नगालैंड में नोकलाम जिले में कई गांव ही गायब हो गए। भूस्खलन और नदी के किनारे मिट्टी का कटाव पूर्वोत्तर राज्यों के लिए भयानक है। सदियों पहले नदियों के साथ बह कर आई मिट्टी से निर्मित असम राज्य अब इन्ही व्यापक जल शृंखलाओं के जाल में फंस कर बाढ़ व भूमि कटाव के शाप से ग्रस्त है। ब्रह्मपुत्र और बराक व उनकी कोई 50 सहायक नदियों का

द्रुत बहाव पूर्वोत्तर भारत में अपने किनारों के बस्तियों-खेतों को जिस तरह उजाड़ रहा है, उससे राज्य में कई तरह के सामाजिक-कानून-व्यवस्था और आर्थिक विग्रह जन्म ले रहे हैं। बरसात होते ही कहीं तेज धार जमीन को खा रही है तो कहीं धार के दबाव से पहाड़ कट रहे हैं। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग के आंकड़े बताते हैं कि पूर्वोत्तर राज्यों में हर साल बाढ़ का दायरा विस्तारित हो रहा है और इसमें सर्वाधिक खतरनाक है नदियों द्वारा अपने ही तटों को खा जाना। गत छह दशक के दौरान अकेले असम राज्य की 4.27 लाख हेक्टेयर जमीन कट कर पानी में बह चुकी है जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 7.40 प्रतिशत है। हर साल औसतन आठ हजार हेक्टेयर जमीन नदियों के तेज बहाव में कट रही है। यह सभी जानते हैं कि पूर्वोत्तर के आठों राज्यों का जीवन, लोक, अर्थव्यवस्था ब्रह्मपुत्र नद व उसकी सखा-सहेलियों की अठखेलियों पर निर्भर है। वर्ष 1912-28 के दौरान जब ब्रह्मपुत्र नदी का अध्ययन किया था तो यह कोई 3870 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र से गुजरती थी। 2006 में किए गए इसी तरह के अध्ययन से पता चला कि नदी का भूमि छूने का क्षेत्र 57 प्रतिशत बढ़ा कर 6080 वर्ग किलोमीटर हो गया। वैसे तो नदी की औसत चौड़ाई 5.46 किलोमीटर है लेकिन कटाव के चलते कई जगह ब्रह्मपुत्र का पाट 15 किलोमीटर तक चौड़ा हो गया है। अकेले 2010 से 2015 के बीच नदी के बहाव में 880 गांव पूरी तरह बह गए जबकि 67 गांव आंशिक रूप से प्रभावित हुए। असम की लगभग 25 लाख आबादी ऐसे गांवों में रहती है जहां हर साल नदी उनके घर के करीब आ रही है। ऐसे इलाकों को यहां 'चार' कहते हैं। हर बार 'चार' के संकट, जमीन का कटाव रोकना, मुआवजा , पुनर्वास चुनावी मुद्दा भी होते हैं लेकिन यहां बसने वाले किस तरह उपेक्षित हैं इसकी बानगी यहां का साक्षरता आंकड़ा है जो कि महज 19 फीसदी है। यहां की आबादी का 67 प्रतिशत गरीबी रेखा से नीचे है। तिनसुखिया से धुबरी तक नदी के किनारे जमीन कटाव, घर-खेत की बर्बादी, विस्थापन, गरीबी और अनिश्चितता की बेहद दयनीय तस्वीर है। कहीं लोगों के पास जमीन के कागजात हैं तो जमीन नहीं, कहीं बा?-कटाव में उनके दस्तावेज बह गए और वे नागरिकता रजिस्टर में 'डी' श्रेणी में आ गए।

# जॉनसन की विदाई का भारत पर असर

पुष्परंजन

बोरिस गये या बराक, इनके जाने से भारत को कोई फर्क पड़ता है क्या? यहां के हिसाब से देखिये तो कुछ घंटों की हलचल रही है। बोरिस की जगह किसे ब्रिटेन में प्रधानमंत्री का कार्यभार संभालना है? इतनी भर जिज्ञासा मगर, रायसीना हिल सड़क और सोशल मीडिया पर चलने वाली सोच से अलग है। बोरिस जॉनसन के जाने का मतलब है, पाइपलाइन में पड़ी बहुत सारी योजनाओं, संकल्पों का अटक के रह जाना। 22 अप्रैल, 2022 को बोरिस जॉनसन ने दिल्ली में कहा था कि हमारी सरकार ने विजय माल्या और नीरव मोदी के प्रत्यर्पण का आदेश दे दिया है, बस उसकी प्रक्रिया शुरू होनी बाकी है। अब सवाल है, कई सारी उभयपक्षीय परियोजनाओं और प्रत्यर्पण का क्या होगा?

बोरिस जॉनसन के जाने से 7 लोक कल्याण मार्ग और ब्रिटेन में इंडियन डायसपोरा में उदासी है? याद कीजिए बोरिस जब भारत आये थे, क्या गजब का उत्साह था। अहमदाबाद में अडानी ने पलक पांवड़े बिछाये, दिल्ली में पीएम मोदी ने। इस उत्साह की वजह इंडियन डायसपोरा के वो लोग थे, जो कंजरवेटिव पार्टी की सरकार में संभावनाओं को तलाश रहे थे। पिछले दशक में लेबर पार्टी को पसंद करने वाले ब्रिटिश भारतवंशी जब धर्म की राजनीति से प्रभावित हुए, कंजरवेटिव राजनीति के अच्छे दिन आरंभ हो गये। 25 लाख ब्रिटिश इंडियन की आबादी मतलब कुल जनसंख्या का 3.5 प्रतिशत। 2010 में सर्वे ऑफ ब्रिटिश इंडियन एटीच्यूड (एसबीआईए) का जब सर्वेक्षण हुआ था, 68 फीसदी ब्रिटिश इंडियन लेबर पार्टी के समर्थक दिखे। 2019 आते-आते सूरत बदल गई। कहने की जरूरत नहीं कि इस हृदय परिवर्तन में मोदी फैक्टर काम कर रहा था। इंडियन डायसपोरा ने माहौल ऐसा बनाया कि 15 सांसद ब्रिटिश इंडियन समुदाय से चुने गये। इतने पाकिस्तानी मूल के सभासद हाउस ऑफ कामन्स के लिए निर्वाचित हुए थे मगर सत्ता की सर्वाधिक महत्वपूर्ण चाबी तीन भारतवंशियों को दी गई। 24 जुलाई, 2019 को प्रीती पटेल गृह मंत्री बनाई गई थीं। 13 फरवरी, 2020 को आलोक शर्मा ने व्यापार व ऊर्जा राज्य मंत्री, तथा वित्त मंत्री पद की शपथ ऋषि सुनक ने ली थी। यदि बोरिस जॉनसन घरेलू विवादों में नहीं उलझे होते तो माल्या और नीरव मोदी को भारत ले आने की कार्रवाई आगे बढ़ चुकी होती।

बहरहाल, 8 जनवरी, 2021 को आलोक शर्मा ने मंत्री पद से इस्तीफा देकर जलवायु के लिए ब्रिटेन में होने वाले आयोजन 'सीओपी-26' की जिम्मेदारी संभाल ली थी। बच गये थे भारतीय मूल के दो मंत्री। मगर, सच यह है कि बोरिस जॉनसन को समर्थन के सवाल पर ब्रिटेन में इंडियन लॉबी बंटी हुई दिखी है, यह प्रीती पटेल के अंतिम समय तक बोरिस का साथ देते रहने से स्पष्ट हो रहा था। ऋषि सुनक इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति के दामाद हैं, जिन्होंने पीएम मोदी की आलोचना की थी। ऋषि सुनक चाहकर भी बोरिस जॉनसन की जगह नहीं ले सकते क्योंकि जब बात उसूलों और मर्यादा की होगी तो उस पाप में ऋषि सुनक समान रूप से भागीदार हैं, जिसे लेकर बोरिस जॉनसन को कटघरे में खड़ा किया गया था। कोविड लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री आवास 'टेन डाउनिंग स्ट्रीट' में जो पार्टी हुई थी, उसके लिए जो जुर्माना लंदन पुलिस ने जिन लोगों पर ठोका था, उनमें स्वयं पीएम बोरिस जॉनसन, उनकी पत्नी कैरी जॉनसन और वित्त मंत्री ऋषि सुनक शामिल थे। यों भी ऋषि सुनक कार्यकारी प्रधानमंत्री की रेस में सबसे आगे नहीं दिख रहे। यदि कोई चमत्कार हो जाए तो अलग बात है। 'पार्टीगेट' से निकले तो 'पिंचरगेट' ने बोरिस जॉनसन की लुटिया डुबो दी। 'पिंचरगेट' की वजह से क्या कंजरवेटिव पार्टी सत्ता से हाथ धो बैठेगी? ऐसा संभव नहीं लगता। 650 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी के 358 सांसद हैं। प्रमुख विपक्षी लेबर पार्टी के 200 सांसद आठ अन्य प्रतिपक्षी पार्टियों के 84 सांसदों के साथ मिलकर भी कुछ नहीं कर सकते। जब 7 जून को संसद में विश्वास मत के लिए 359 वोट पड़े, जिसमें बोरिस जॉनसन के पक्ष में 211 और विरोध में 148 वोट पड़े थे, तब 41 फीसद सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी के सांसदों ने अपने ही प्रधानमंत्री के विरुद्ध वोट किया था। यही ब्रिटिश लोकतंत्र की खूबसूरती है, जो भारत में कल्पना से बाहर है। यूक्रेन के युद्ध में ब्रिटेन को सीधा शामिल कर देना, ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और मनमाने टैक्स से आम जनता बोरिस को नकारात्मक निगाहों से देखने लगी थी। संसद में उपमुख्य सचेतक क्रिस पिंचर ने पार्टी में दो मर्दों से यौन दुर्व्यवहार किया। यह खबर आग की तरह फैली, जिसकी लपटें 10 डाउनिंग स्ट्रीट को झुलसाने लगीं। पिंचर पहले भी थेरेसा मे की सरकार में उपमुख्य सचेतक व कुटुम्ब नियंत्रक महकमे को देख रहे थे। 2017 की बात है, कंजरवेटिव पार्टी के कैंडिडेट व 1996 के समर ओलंपिक में ब्रिटिश मेंस एट के लिए विजयी अलेक्स स्टोरी ने पुलिस में शिकायत की कि पिंचर पार्टी टिकट का लारा-लप्पा देकर उनको अप्राकृतिक यौन संबंध के लिए विवश कर रहे थे। फिलहाल अब सबकी नजर कंजरवेटिव पार्टी में '1922-कमेटी' रूल्स पर टिकी हुई है। उन रूल्स के अनुसार, 'संसदीय नेता उन नये नामों पर विचार करते हैं जो प्रधानमंत्री पद के लायक हों। फिर दो उम्मीदवारों की छंटनी होती है, इंटरनल वोटिंग में जो आगे होता है, उसके नाम को साम्राज्ञी के पास स्वीकृति के लिए भेज दिया जाता है।' बोरिस के विकल्प के रूप में स्टीव बेकर, टॉम टुगेंडट, सुएला ब्रावेरमन, जेरेमी हंट जैसे नाम रेस में हैं।

# अपने घर पर बनाएं मीठे पकवान

लखनऊ का जिक्र छिड़ते ही हमारे जेहन में यहां की तहजीब और खान-पान का जायका तरोताजा हो जाता है। यहां के चटपटे खाने से लेकर रिश्तों में मिठास घोलने वाले मीठे व्यंजन का स्वाद लोगों को कभी नहीं भूलता। आज हम आपको कुछ ऐसे ही मीठे पकवानों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। तो आइए जानें...

## शाही खजूर हलवा

### सामग्री

2 कप पिंड खजूर, 1 कटोरी गीला नारियल कद्दूकस किया हुआ, 1 कप मावा, 1/2 कप चीनी, 1/2 कप घी, 1/2 कटोरी कटे मेवे की कतरन।

### विधि

सबसे पहले खजूर को धोकर उनके बीज निकालें और पेस्ट बना लें। अब एक पैन में घी गर्म करके खजूर पेस्ट को 2-3 मिनट धीमी आंच पर भूनें। अब इसमें मावा, नारियल और चीनी डालकर भूनें। जब मिश्रण सूख जाए तो गैस बंद कर दें। अब हलवे को प्लेट में डालकर ऊपर से मेवे से सजा कर गरमा-गरम शाही खजूर हलवा खाएं और खिलाएं।

## आलू के लाजवाब रसगुल्ले

### सामग्री

250 ग्राम आलू, 250 ग्राम शकर, थोड़ा-सा अरारोट पावडर, आधा चम्मच पिसी हुई इलायची, कुछ बताशे व घी।

### विधि

सर्वप्रथम आलू को उबालकर अच्छी तरह से मैश करें। अब इसमें अरारोट मिलाकर मिश्रण को एकसार कर लें। फिर शक्कर की एक तार की चाशनी बनाएं और इलायची पावडर मिला दें। आलू के मिश्रण की टिक्की बनाकर उसमें एक-एक बताशा रखें और अच्छी तरह बंद करके गोला बना लें। गरम घी में धीमी आंच पर ब्राउन होने तक तलें और गरम ही चाशनी में छोड़ दें। आलू के रसगुल्लों के अंदर रस अच्छी तरह भर जाए तब मेहमानों को परोसें।

नोट: आप चाहें तो इस मिठाई में मीठे पीले रंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

## मावे के टेस्टी गुलाब जामुन

### सामग्री

1 किलो मावा (खोआ), 1 किलो शक्कर, दूध, 50 ग्राम मैदा, 100 ग्राम खाने का अरारोट, 1 चम्मच पिसी छोटी इलायची, 1/2 चम्मच केशर, तलने का घी।

### विधि

सबसे पहले मावे को किसनी से कद्दूकस कर लें। अब उसमें मैदा, अरारोट मिला लें। हल्के हाथ से नर्म गूंथ लें। इसकी छोटे साइज की गोल-गोल गोलियां बना कर रख लें। अब शक्कर में आधा ग्लास पानी डालकर उसकी चाशनी बना लें। इसमें दूध डालकर हिलाएं और जब मैल ऊपर आ जाए तो चम्मच से हटा दें। अब इलायची और केसर मिला दें। फिर एक कड़ाही में घी गरम करके मध्यम आंच पर सभी गोलियों को लाल होने तक तलें और चाशनी में छोड़ती जाएं। लीजिए आपके लिए तैयार है मावे के टेस्टी गुलाब जामुन। अब अपनी इच्छानुसार ठंडा या गरम परोसिए।

## शाही मीठा चूरमा

### सामग्री

आटा 500 ग्राम, 400 ग्राम पिसी चीनी (बुरादा) 100 ग्राम मावा, 100 ग्राम मिश्री, 1/2 चम्मच केसर, 2 चम्मच पिसी छोटी इलायची, पाव कप पिस्ता, घी आवश्यकतानुसार, 1 चम्मच गुलाब जल।

### विधि

सबसे पहले गेहूं के आटे में घी का अच्छा मोयन देकर कड़ा सान लें। फिर इसकी मुठियां बना लें। एक कड़ाही में घी गर्म करके बादामी तल लें। इन्हें इमाम दस्ते में साथ-साथ कूट लें। फिर मोटी चलनी से छान लें। मोटे टुकड़ों को फिर से कूटकर छान लें। अब पिस्ता उबलते पानी में 2-3 मिनट रखकर निकाल लें। इन्हें छीलकर लंबे-लंबे महीन काट लें। मिश्री को दरदरा दल लें। केसर को गुलाब जल में घोटकर चीनी में मिला दें। मावे को मोटी चलनी से छानकर, धीमी आंच पर गुलाबी होने तक सेक लें। फिर इसमें गर्म करके ठंडा किया हुआ (100 ग्राम) घी मिला दें। अब छने हुए मुठियां (आटे का तैयार किया हुआ मुठियां का बुरादा) में मावा, चीनी, पिसी इलायची व पिस्ता की कतरन मिला दें। अब तैयार हो गया आपका पारंपरिक शाही मीठा चूरमा, यदि चाहें तो लड्डू बांध लें या चूरमे को ऐसे ही परोसें।

## हंसना मना है

गोलू (पिंकू से) : पता है वो लड़की मेरी बहुत इज्जत करती है। पिंकू: अच्छा, तुझे यह सब कैसे पता?
गोलू : कल ही मुझसे बोली कि मैं तुम्हारी तरफ थूकूंगी भी नहीं।

आदमी मच्छर से: दिन में क्यों काट रहे हो। मच्छर: ओवरटाइम कर रहा हूं, साहब। मां-बाप बीमार हैं। घर में जवान बहन है और लड़के वालों ने दहेज में एक लीटर खून मांगा है।

पप्पू ने लड़की को प्रपोज किया: मुझसे प्यार करोगी। लड़की: चेहरा देखा है अपना, तुझसे प्यार करने से तो बेहतर है मैं सुसाइड कर लूं। पप्पू: कमबख्त मर जाएगी पर किसी गरीब के काम नहीं आएगी।

मुन्ना: जेलर साहब मुझे फिर से बापू दिखाई दे रहे हैं। जेलर : कहां हैं बापू? मुन्ना: वो उधर सफेद धोती में। जेलर: जा चुपचाप सो जा, वो आसाराम है।

लड़का : लड़कियां बस की तरह होती हैं, एक जाती है तो दूसरी आती है! लड़की : लड़के रिक्शे की तरह होते हैं, एक को आवाज दो तो सब दौड़े चले आते हैं!

कहानी

## कौवा हुआ काला

एक बार की बात है। एक ऋषि ने एक कौवे को अमृत की तलाश में भेजा लेकिन उसको ये चेतावनी भी दी कि केवल अमृत के बारे में पता करना है उसे पीना नहीं है अन्यथा तुम इसका कुफल भोगोगे। सफेद कौवे ने हामी भर दी और उसके बाद ऋषि से विदा ली। एक साल के कठोर परिश्रम के बाद कौवे को आखिर अमृत के बारे में पता चल गया। वह इसे पीने की लालसा रोक नहीं पाया और इसे पी लिया जबकि ऋषि ने उसे कठोरता से उसे नहीं पीने के लिए पाबंद किया था। सो उसने ऐसा कर ऋषि को दिया गया अपना वचन तोड़ दिया। अमृत पीने के बाद उसे पछतावा हुआ और उसने वापस आकर ऋषि को पूरी बात बताई तो ऋषि ये सुनते ही आवेश में आ गये और कौवे को शाप दे दिया और कहा क्योंकि तुमने अपनी अपवित्र चोंच से अमृत की पवित्रता को नष्ट किया है इसलिए आज के बाद पूरी मानवजाति तुमसे घृणा करेगी और सारे पंछियों में केवल तुम होंगे जो सबसे नफरत भरी नजरों से देखे जाओगे। किसी अशुभ पक्षी की तरह पूरी मानवजाति हमेशा तुम्हारी निंदा करेगी और चूंकि अमृत का पान किया है इसलिए तुम्हारी स्वाभाविक मृत्यु नहीं होगी। कोई बीमारी भी नहीं होगी और तुम्हे वृद्धावस्था भी नहीं आएगी। भाद्रपद के महीने के सोलह दिन तुम्हें पितरों का प्रतीक मानकर आदर दिया जायेगा। तुम्हारी मृत्यु आकस्मिक रूप से ही होगी इतना कहकर ऋषि ने अपने कमंडल के काले पानी में उसे डुबो दिया। काले रंग का बनकर कौवा उड़ गया तभी से कौवे काले रंग के हो गये।

## 8 अंतर खोजें

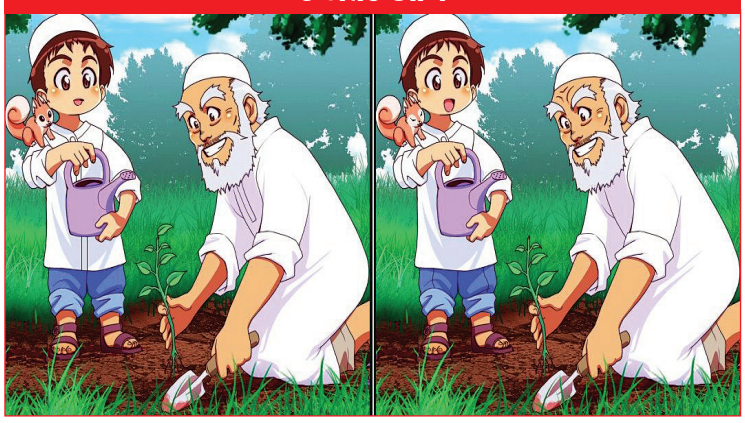

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** पुरानी व्याधि उभर सकती है। विवाद से सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। फालतू खर्च होंगे।

**वृषभ** रुका हुआ धन मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। चिंता तथा आलस्य हावी रहेंगे।

**मिथुन** भागदौड़ अधिक होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

**कर्क** अज्ञात भय सताएगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। निवेश आदि लाभ देंगे। जोखिम न लें। अस्वस्थता रहेगी।

**सिंह** आंखों में कष्ट हो सकता है। यात्रा होगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। अपेक्षा न करें।

**कन्या** विवाद आदि से बचें। अपमान हो सकता है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

**तुला** संपत्ति के कार्य पूर्ण होंगे, लाभ होगा। बेरोजगारी दूर हो सकती है। चोरी, चोट आदि से बचें।

**वृश्चिक** विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। अस्वस्थता रहेगी।

**धनु** चिंता, तनाव व भय हावी रहेंगे। दुखपूर्ण समाचार मिल सकता है। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे।

**मकर** शारीरिक कष्ट संभव है। अचानक हानि से बचें। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रयास सफल रहेंगे।

**कुम्भ** जीवनसाथी की चिंता रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। शत्रु परास्त होंगे।

**मीन** चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ संभव है। रोजगार प्राप्ति होगी।

## रिलीज हुआ पोन्नियिन सेल्वन का धमाकेदार टीजर

# बाहुबली की आ जाएगी याद

डायरेक्टर मणि रत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन उर्फ पीएस एक को देखने का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। इस फिल्म के चर्चे लंबे समय से हो रहे है, हालांकि इसको लेकर डिटेल्स कुछ समय पहले ही आनी शुरू हुई हैं। अब पोन्नियिन सेलवन का टीजर भी रिलीज हो गया है। इसकी कहानी चोल साम्राज्य से जुड़ी है और टीजर से साफ है कि ये फिल्म जबरदस्त होने वाली है। बतौर डायरेक्टर मणि रत्नम चार सालों के बाद पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछली बार 2018 में आई फिल्म Chekka Chivantha Vaanam को बनाया था। इसके बाद अब वह फिल्म पोन्नियिन सेलवन के साथ जल्द आ रहे हैं। इस फिल्म में चोल साम्राज्य में चलने वाले संघर्ष को दिखाया जाने वाला है। माना जा रहा है कि यह भारत में पीरियड फिल्म्स में से सबसे महान होगी। पोन्नियिन सेलवन का टीजर एकदम आलीशान है। टीजर में आप विक्रम, किच्चा सुदीप और जयम रवि को देख सकते हैं। इस टीजर में बड़े-बड़े जहाज, हाथी-घोड़े और महलों को देखा जा सकता है। इसके अलावा ऐश्वर्या राय बच्चन और तृषा को बेहद खूबसूरत लुक्स में भी आप देख सकते हैं। ये फिल्म एकदम जबरदस्त होने वाली है और इस टीजर से ये बात साफ है। पोन्नियिन सेलवन की कहानी 10वीं सदी के चोल राजवंश पर आधारित है। इसमें कावेरी नदी के बेटे पोन्नियिन सेलवन के भारतीय इतिहास के सबसे महान शासक राजराजा चोल बनने से पहले की कहानी को दिखाया जाने वाला है। फिल्म को म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया है। ये सिनेमघरों में 30 सितम्बर 2022 को रिलीज होने वाली है। इसमें साउथ स्टार विक्रम, तृषा, जयम रवि संग ऐश्वर्या राय बच्चन नजर आएंगी। फिल्म से रिलीज हुए पोस्टर्स को देखकर ही फैंस बेहद खुश हो गए थे, और ऐसे में अब जब टीजर सामने आ गया है तो फैंस का उत्साह देखने लायक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पोन्नियिन सेलवन बड़े बजट की फिल्म है। इसका कुल बजट 500 करोड़ बताया जा रहा है।

## अनटाइटल्ड फिल्म से लीक हुआ अक्षय का लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस अक्षय कुमार एक के बाद एक कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। एक तरह जहां एक्टर अपनी फिल्म रामसेतु को लेकर चर्चा में हैं। तो वहीं इसी बीच अब अक्षय कुमार का एक नया लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस लुक फिल्म क्रिटीक तरण आदर्श ने ट्विटर पर शेयर किया है। एक्टर इस समय यूके, लंदन में शूट कर रहे हैं। फिल्म रियल लाइफ स्टोरी पर बेस्ड है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह फिल्म माइनिंग इंजीनियर जसवंत सिंह गिल पर आधारित होगी। हालांकि, मेकर्स की ओर से इसपर अभी तक कोई सफाई नहीं नहीं आई है और न ही किसी ने इसपर कोई बयान जारी किया है। बता दें कि जसवंत सिंह गिल ने 64 लोगों की जान बचाई थी। वे रानीगंज कोलफील्ड्स में फंसे थे। यह बात है साल 1989 की। अक्षय कुमार, जसवंत सिंह गिल की भूमिका निभाते नजर आ सकते हैं। यह फिल्म इंडियन फिल्म कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस करेगी। टीनू सुरेश देसाई फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। टीनू ने इससे पहले फिल्म 'रुस्तम' का डायरेक्शन संभाला हुआ है जो साल 2016 में रिलीज हुई थी। अक्षय की बात करें तो उनकी फिल्म 'रक्षा बंधन' 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

## अजय देवगन की लाडली न्यासा ने जाह्नवी कपूर-वरुण धवन संग मचाया बवाल

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन की लाडली न्यासा देवगन इंटरनेट सेंसेशन से कम नहीं हैं। जैसे ही अजय देवगन-काजोल की लाडली न्यासा देवगन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आती हैं। ये तस्वीरें मिनटों में ही आग की तरह वायरल होने लगती हैं। ऐसा ही कुछ इस बार भी हुआ है। हाल ही में अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन की कुछ तस्वीरें अदाकारा जाह्नवी कपूर और एक्टर वरुण धवन के साथ सामने आई हैं। जिनमें न्यासा देवगन इन दोनों सितारों के साथ एम्सटर्डम में धमाल मचाती दिख रही हैं।

दरअसल, जाह्नवी कपूर और वरुण धवन इन दिनों अपनी फिल्म बवाल की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म की शूटिंग एम्सटर्डम में चल रही हैं। जहां न्यासा देवगन भी दोनों सितारों के साथ दिखीं। एम्सटर्डम की इन वादियों में न्यासा देवगन वरुण और जाह्नवी कपूर के साथ धमाल करती दिख रही हैं। लगता है कि जाह्नवी कपूर और न्यासा देवगन दोनों के कॉमन फ्रेंड्स हैं। न्यासा देवगन अदाकारा जाह्नवी कपूर के साथ बिल्कुल बेस्ट फ्रेंड की तरह टाइम स्पेंड करती दिख रही हैं। जिसे देख फैंस भी हैरान हैं। इस दौरान फिल्म स्टार वरुण धवन अपनी फिल्म बवाल की शूटिंग के बीच से वक्त चुराकर दोस्तों संग मस्ती करते दिखे। इस दौरान फिल्म स्टार जाह्नवी कपूर भी अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती दिखीं। जहां एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी हैं।

## 72 साल की महिला ने साइकिल से पार कर लिया अमेरिका, विश्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज

विश्व रिकॉर्ड बनाना कोई बच्चों का खेल नहीं। इसके लिए सालों की कड़ी मेहनत करते हैं रिकॉर्ड होल्डर्स, तब कहीं जाकर मिलती है सफलता। मेहनत के साथ अगर जोश, जज़्बा और जुनून न हो तो कोई भी कारनामा कर दिखा पाना मुमकिन नहीं हो सकता है और जब हौंसले साथ हो तो कामयाबी कदम चूमने से पहले उम्र नहीं इरादे देखती है। लिनिया साल्वो नाम की महिला ने 72 साल की उम्र में जो कीर्तिमान गढ़ा वो आसान नहीं था। वो भी इस उम्र में तो बिल्कुल भी नहीं। 72 की उम्र में साइकिल से अमेरिका की यात्रा पूरी करने वाली महिला ने गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया। लिनिया साल्वो ऐसा करने वाली सबसे उम्रदराज महिला बन गई हैं। ये यात्रा साल्वों ने 43 दिन में पूरी कर इतिहास रच दिया। लिनिया साल्वो ने जब अमेरिका की यात्रा की शुरूआत की थी उस वक्त वो 72 साल, 27 दिन की थीं, और ठीक 43 दिन बाद उन्होंने सैन ख्सिड्रो, कैलिफौर्निया में जाकर अपनी यात्रा को पूरा कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम हमेशा-हमेशा के लिए दर्ज करा लिया। साल्वो ने प्रशांत महासागर के तट पर उत्तर-दक्षिण में सायकिल चलाकर अमेरिका को कवर किया। 43 दिन की अपनी यात्रा में साल्वो ने अपनी 2,083 मील की यात्रा पूरी की और इसी के साथ साल्वो ने सबसे उम्रदराज महिला के तौर पर ऐसा कारनामा कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवा लिया। इससे पहले 2016 में भी साल्वो ने 67 साल की उम्र में ओशनसाइड, कैलिफोर्निया से बेथानी बीच, डेल तक साइकिल से अमेरिका को पार करने का सबसे उम्रदराज इंसान का रिकॉर्ड हासिल किया था। साल्वो ने बताया कि उनका रिकॉर्ड स्पीड को लेकर नहीं बल्कि उम्र को लेकर है ऐसे में उन्हें अत्यधिक भागदौड़ और थकाऊं स्थिति में नहीं पड़ना पड़ता। इसलिए साइकिल से अपनी स्पीड को इतना बैलेंस रखती हैं कि यात्रा पूरी की जा सके।

अजब-गजब | कई देशों ने किया है ये चमत्कार, धूप का भी नहीं होता असर

## आग में भी नहीं पिघलती ये विचित्र आइसक्रीम

चीन अपने अजीबोगरीब आविष्कारों को लिए पूरी दुनिया में फेमस है यहां आपको हर तरह का सामान मिल जाएगा और उसका विकल्प भी आसानी से आप यहां पा सकते हैं। उनके कई आविष्कार दुनिया में काफी पॉपुलर हुए हैं। अब चीन की एक आइसक्रीम चर्चा में है वो इसलिए क्योंकि ये मेल्ट-प्रूफ आइसक्रीम है। यानी इस आइसक्रीम को गर्मी में रखने के बाद भी ये पिघलेगी नहीं। डेली मेल वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 'हर्म्स ऑफ आइसक्रीम' नाम के चीनी ब्रांड ने 'Chicecream' नाम की एक आइसक्रीम बनाई है, जिसे चीनी भाषा में 'Zhong Xue Gao' कहते हैं। ये आइसक्रीम पिघलती नहीं है। अब सोशल मीडिया पर इस आइसक्रीम के काफी चर्चे होने लगते हैं। एक तरह जहां लोग इसे कमाल का आविष्कार मान रहे हैं तो दूसरी तरफ इस आइसक्रीम को खाने से इंसानी शरीर पर होने वाले साइड इफेक्ट के बारे में भी सोच रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने आइसक्रीम को पिघलाने की काफी कोशिश की मगर वो नाकाम रहे। कुछ वीडियोज में तो आइसक्रीम के पास लाइटर तक लगा दिया गया, धूप में रखा गया मगर वो नहीं पिघली और उसका आकार भी ज्यादा नहीं बदला। आइसक्रीम को 1 घंटे तक 31 डिग्री सेल्सियस तापमान के कमरे में रखा गया मगर उसका आकार तब भी नहीं बदला। उत्तरी चीन के हांडान में रिकॉर्ड हुए एक फुटेज में नजर आ रहा है कि कैसे आइसक्रीम को आग में झुलसाया जा रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद फूड सेफ्टी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। 'चीसक्रीम' या 'Chicecream' की कीमत भी आसमान छूती है। आमतौर पर आपको आइसक्रीम पॉपसिकल 100 रुपये के अंदर मिल जाता है मगर इस आइसक्रीम के एक पीस की कीमत लगभग 800 रुपये है। सोशल मीडिया पर खड़े हो रहे विवाद के बाद कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि उनका प्रोडक्ट नेशनल फूड सेफ्टी रेगुलेशन के अनुसार ही बनाया गया है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने कहा कि उन्होंने आइसक्रीम में कैराजीनन गम मिलाया है जो एक तरह का समुद्री पौधा होता है। यही गम आइसक्रीम को उसका शेप खोने नहीं देता है। अब आप को लग सकता है कि ये पहली बार है जब ना पिघलने वाली आइसक्रीम का आविष्कार किया गया है। मगर ऐसा नहीं है साल 2016 से लेकर अब तक कई देशों में ऐसी आइसक्रीम का आविष्कार हो चुका है। गैस्ट्रोनट फूड नाम की कंपनी ने भी साल 2016 में ऐसी आइसक्रीम बनाई थी जो पिघलती नहीं थी। वहीं चीन से पहले जापान ने साल 2018 में ही ऐसी आइसक्रीम बना ली थी। जापानी साइंटिस्ट्स ने बायोथेरपी डेवलपमेंट रिसर्च सेंटर से ऐसी आइसक्रीम बनाने के लिए कहा था।। इसमें स्ट्रॉबेरी के लिक्विड एक्सट्रैक्ट, पॉलिफेनॉल को मिलाया गया था।

# कांग्रेस को झटका, कमलेश रमन और रतूड़ी ने छोड़ी पार्टी, आप में हो सकते हैं शामिल

» प्रदेश नेतृत्व पर उठाए सवाल, प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का किया ऐलान

» उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी को दो झटके, उपेक्षा का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में आज सुबह कांग्रेस को दो बड़े झटके लगे हैं। दो चर्चित चेहरों, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश रमन के साथ पार्टी के प्रवक्ता और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेंद्र प्रसाद रतूड़ी ने कांग्रेस छोड़ने का ऐलान किया। डॉ. आरपी रतूड़ी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की। दोनों आम आदमी पार्टी ज्वाइन कर सकते हैं।

डॉ. रतूड़ी ने लिखा, आज मन अत्यंत आहत है। मैंने अपने जीवन के 45 साल कांग्रेस पार्टी को दिए और अब कांग्रेस के जो हालात हैं वह भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। पार्टी नेतृत्व द्वारा जिस तरह के फैसले लिए जा रहे हैं, पार्टी में जिस तरह की अंतरकलह है वह सब अत्यंत ही दु:खद हैं। 2017 के चुनाव परिणाम से सबक लेने के बजाय 2022 की चुनावी हार के बाद पार्टी में गुटबाजी और तेज हो रही है। कांग्रेस पार्टी का उत्तराखंड का नेतृत्व नहीं चाहता कि 2027 में पार्टी चुनाव जीते। चंपावत चुनाव में पार्टी की जो दुर्गति हुई उसके बाद भी बड़े नेता लगातार सोशल मीडिया पर रोज झगड़ते दिख रहे हैं। उससे कार्यकर्ता अत्यंत हतोत्साहित हैं इसलिए मैं आज आहत होकर कांग्रेस पार्टी के सभी पदों से अपने को मुक्त करते हुए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे रहा हूं।

वहीं, कमलेश रमन ने प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस की लिखे एक पत्र में कहा कि वह विगत तीन दशक से कांग्रेस से जुड़ी रही और समर्पित भाव से अपना जितना भी सहयोग हो सकता था कांग्रेस पार्टी को दिया। लेकिन विगत कुछ समय से अपने को उपेक्षित एवं ठगा सा महसूस कर रही हूं। मेरी जैसी पूर्णकालिक निष्ठावान कार्यकर्ता की उपेक्षा एवं लगातार बढ़ रहे अंतर्कलह से आहत होकर और बहुत ही दुखी मन से आज कांग्रेस के सभी पदों के साथ प्राथमिक सदस्यता से अपने को मुक्त कर रही हूं।

# स्वच्छता संस्कृति के लिए सफल बनाना होगा प्लास्टिक मुक्त अभियान : राज्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ आज मैदागिन स्थित हरिश्चंद्र बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज के परिसर में सामाजिक संस्था सुबह-ए-बनारस क्लब एवं लक्ष्मी हॉस्पिटल के बैनर तले पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने की शपथ दिलाते हुए एक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप्र सरकार में आयुष, खाद सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र (दयालु) ने कहा कि देश में स्वच्छता संस्कृति विकसित करने के लिए अगर देश के प्रधानमंत्री ने प्लास्टिक के प्रति एक संवेदनशील आंदोलन का आवाहन किया है तो इसे प्रत्येक व्यक्ति को गंभीरता से समझना होगा। भारत सरकार तथा प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्लास्टिक मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक पर्यावरण के लिए जहर के समान है। इसके उपयोग से हमें बचने की जरूरत है।

# प्रदेश में बसपा के इकलौते विधायक ने द्रौपदी मुर्मू को सौंपा समर्थन पत्र

» एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार हैं द्रौपदी मुर्मू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। राष्ट्रपति चुनाव में इस बार जहां सत्ता पक्ष भाजपा की ओर से द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है वहीं दूसरी ओर विपक्ष की ओर से यशवंत सिन्हा को दावेदार बनाया गया है। उत्तर प्रदेश आई द्रौपदी मुर्मू से मिलने के बाद बसपा के एकमात्र बलिया में रसड़ा के विधायक की ओर से समर्थन का पत्र सौंपा गया है।

बलिया के रसड़ा विधायक उमाशंकर सिंह पार्टी के निर्देश पर बसपा की ओर से एनडीएम उम्मीदवार को समर्थन का वादा किया है। 18 जुलाई को सम्पन्न होने जा रहे राष्ट्रपति के चुनाव में बसपा सुप्रीमो मायावती के निर्देश पर एनडीए द्वारा घोषित राष्ट्रपति पद के उम्मीदार द्रौपदी मुर्मू को बसपा की तरफ से पूर्ण समर्थन का पत्र बसपा विधान दल मंडल के नेता एवं रसड़ा के विधायक

उमाशंकर सिंह ने पिछले दिनों लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान द्रौपदी मुर्मू को सौंपा। विधायक उमाशंकर सिंह ने कहा कि बसपा बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर के बताये हुए मार्ग पर चलकर एनडीए के राष्ट्रपति के उम्मीदार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन दे रही है। उन्होंने कहा कि बसपा ने शुरू से ही महिलाओं के सम्मान के साथ-साथ दलितों, पिछड़ों, आदिवासी समाज के उत्थान के लिए संघर्षरत है। ऐसे में बहुजन समाज पार्टी ने एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देकर एक बार फिर महिला हितैषी होने का प्रमाण दिया है। लखनऊ में द्रौपदी मुर्मू को बुके देकर बसपा विधायक ने स्वागत किया और उनको समर्थन की जानकारी साझा की है।

# थम नहीं रही कोरोना की रफ्तार, संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 16,678 नए मामले सामने आए जिसके बाद एक्टिव मरीजों की संख्या 1,30,713 हो गई है। रविवार की तुलना में एक्टिव मरीजों की संख्या में 2,023 की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आज सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 26 और मरीजों की जान इस खतरनाक वायरस के संक्रमण की वजह से चली गई। इसके साथ ही अब तक इस वायरस की वजह से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 5,25,454 हो गई है। राहत की बात यह रही कि इस दौरान 14629 लोग इस वायरस को मात देने में कामयाब रहे। मंत्रालय के अनुसार सक्रिय मामलों में कुल संक्रमण का 0.30 प्रतिशत शामिल है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर रिकवरी दर दर 98.50 प्रतिशत दर्ज की गई है।

# रामगोपाल यादव का दावा, सुभासपा विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के साथ

» सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर दिया बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव आज इटावा पहुंचे। रामगोपाल यादव ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि समाजवादी गठबंधन के साथी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर भले ही कुछ भी बोले लेकिन उनका अंतिम फैसला राष्ट्रपति पद के चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के पक्ष में होगा।

इस बात की चर्चाएं हैं कि 12 जुलाई को सपा गठबंधन के सहयोगी ओमप्रकाश राजभर कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में अपने सरकारी आवास 5

कालिदास मार्ग पर भोज रखा था। इस रात्रिभोज में भाजपा के सहयोगी दलों के नेताओं के अलावा समाजवादी पार्टी नीत गठबंधन में शामिल सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव भी शामिल हुए थे। वहीं राष्ट्रपति पद के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा बीते गुरुवार को लखनऊ पहुंचे थे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने उनका स्वागत किया था। इसमें समाजवादी पार्टी विधायक शिवपाल यादव और ओपी राजभर नहीं पहुंचे थे।

# हाईटेक होंगे प्राथमिक स्कूल, शिक्षकों को मिलेगी कैशलेस बीमा की सुविधा

प्रदेश के हर प्राइमरी स्कूल को मिलेंगे दो-दो टैबलेट, खरीद प्रक्रिया शुरू

» उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास को आवंटित किया गया है धन

» विद्या समीक्षा केंद्र करेंगे राज्य स्तर पर निगरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद के सभी प्राथमिक विद्यालय हाईटेक होंगे। हर स्कूल को जल्द ही दो-दो टैबलेट दिए जाएंगे। डिजिटल लर्निंग के तहत इसी माध्यम से शिक्षक बच्चों की पढ़ाई कराएंगे। इसके अलावा शिक्षकों को कैशलेस बीमा की सुविधा भी जल्द उपलब्ध करायी जाएगी।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि कि 1,11,599 प्राथमिक स्कूलों के लिए 2,09,863 टैबलेट खरीदने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। निविदा जारी कर दी गई है, इसी साल विद्यालयों को यह सुविधा मिल जाएगी। हर

स्कूल के प्रधानाध्यापक व एक शिक्षक को अभी टैबलेट मिलेगा। इसी तरह से 18,381 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास के लिए धन दिया गया है। स्मार्ट क्लास की निविदा प्रक्रिया चल रही है। निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी जिलों का तीन माह का लक्ष्य तय किया जा चुका है। एक शैक्षिक सत्र में चार बार उनकी दक्षता का परीक्षण होगा, बच्चों को रिपोर्ट कार्ड भी मिलेंगे। इसके लिए हर स्तर पर डैशबोर्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य स्तर पर इसकी निगरानी के लिए विद्या समीक्षा केंद्र की स्थापना की जा रही है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से संचालित विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को यूनीफार्म, जूता-मोजा, स्वेटर व स्कूल बैग दिलाने के लिए उनके अभिभावकों के खाते में 1100-1100 रुपये भेजे गए हैं। इस वर्ष से अभिभावकों को प्रति छात्र या छात्रा 1200 रुपये मिलेंगे। कापी, पेन, पेंसिल, कटर व रबर खरीदने के लिए 100 देने का प्रावधान किया गया है। अब 1.15 करोड़ छात्र व 1.48 करोड़ से अधिक अभिभावकों का आधार प्रमाणित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि परिषदीय शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व शिक्षणेतर कर्मियों को कैशलेश बीमा का लाभ मिलेगा। इसमें कर्मचारी स्वयं व आश्रित पुत्र-पुत्री, माता-पिता और एक स्वजन को शामिल कर सकते हैं। सामूहिक स्वास्थ्य बीमा पालिसी के लिए तीन, पांच, सात व दस लाख धनराशि की दरें मांगी गई है। शिक्षक व अन्य जिसे चाहें आसानी से ले सकते हैं।

## नितिन गडकरी का बड़ा दावा

# अगले पांच साल में सड़कों से गायब हो जाएंगी पेट्रोल गाड़ियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को इनोवेटिव आइडियाज के लिए जाना जाता है। उनकी अगुवाई में राजमार्गों के निर्माण के कई नए रिकॉर्ड बने। इसके अलावा वह सड़कों व गाड़ियों की सेफ्टी के साथ-साथ ग्रीन एनर्जी के इस्तेमाल पर जोर देते रहते हैं। हाल ही में हाइड्रोजन से चलने वाली कार की सवारी कर वह चर्चा में रहे थे। अब मंत्री ने एक दावा किया है कि अगले पांच साल में भारत की सड़कों से पेट्रोल कारें गायब हो जाएंगी। उन्होंने यहां तक कह दिया कि पांच साल के बाद भारत में पेट्रोल की जरूरत ही नहीं बचेगी।**

गडकरी ने कहा कि ग्रीन ईंधन आने वाले समय में पेट्रोल की जरूरत समाप्त कर देंगे। उन्होंने दावा किया कि कुछ सालों बाद देश में कारें ही नहीं बल्कि स्कूटर भी ग्रीन हाइड्रोजन, इथेनॉल फ्लेक्स फ्यूल, सीएनजी या एलएनजी से चलेंगे। केंद्रीय मंत्री पिछले सप्ताह महाराष्ट्र के अकोला में एक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे, तभी उन्होंने यह बयान दिया, उन्हें अकोला में स्थित डॉ पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ में डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि दी जा रही थी। अपने संबोधन में गडकरी ने हाइड्रोजन, इथेनॉल और अन्य ग्रीन ईंधनों के इस्तेमाल पर खास जोर दिया।

### किसानों को नई तकनीक से कराएं अवगत

**केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरे यकीन के साथ मैं ये कहना चाहता हूं कि भारत में अगले पांच साल में पेट्रोल गायब हो जाएगा। आपकी कारें और स्कूटर या तो ग्रीन हाइड्रोजन से अथवा इथेनॉल फ्लेक्स फ्यूल, सीएनजी या एलएनजी से चलेंगे। गडकरी ने कृषि क्षेत्र के शोधकर्ताओं से अगले पांच साल में सेक्टर की ग्रोथ रेट को अभी के 12 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के किसान काफी प्रतिभावान हैं, उन्हें नए रिसर्च और नई टेक्नोलॉजी से अवगत कराने व ट्रेन्ड बनाने की जरूरत है।**

# राष्ट्रपति चुनाव में मैं सपा के साथ हूं : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» अब आने वाले दिनों में राजभर पर निगाह रखने की जरूरत

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में दर्जनों बार अपना पैंतरा, रंग तथा चोला बदल चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर एक बार फिर पलटे हैं। लखनऊ में एनडीए की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर रात्रिभोज में शामिल उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर अब समाजवादी पार्टी के साथ होने की बात कर रहे हैं।**

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अब बड़ा बयान दिया है। बलिया में उन्होंने कहा है कि राष्ट्रपति चुनाव में मैं समाजवादी पार्टी के साथ हूं। उन्होंने कहा कि यह सही बात है मैं एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के डिनर में गया था। द्रौपदी मुर्मू जी का मेरे पास फोन आया था। द्रौपदी मुर्मू ने मिलने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि मैं तो राष्ट्रपति चुनाव में मैं सपा के साथ हूं। समाजवादी पार्टी के साथ हमारा गठबंधन है। इससे पहले ओम प्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर ने कहा था कि उनके पिता सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एनडीए की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी के डिनर पर सीएम के सरकारी आवास नहीं नहीं गए थे। इसके इतर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के मुखिया रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने ओम प्रकाश राजभर की मौजूदगी का दावा किया था। अब आने वाले दिनों में भी ओम प्रकाश राजभर के कदम पर निगाह रखने की जरूरत है। साथ ही समाजवादी पार्टी के साथ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के गठबंधन पर अगले कदम की भी निगाह रहेगी।

फोटो: 4पीएम

**अनावरण** नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन पर लगे अशोक स्तंभ का अनावरण कर दिया है। पीएम मोदी ने आज सुबह संसद भवन की छत पर लगे राष्ट्रीय प्रतीक का अनावरण किया। कांस्य से बना अशोक स्तंभ 6.5 मीटर ऊंचा है। इस दौरान मोदी ने नई संसद के काम में लगे लोगों से भी बातचीत की।

# 2023 में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होगा भारत!

## जनसंख्या में चीन को देगा पछाड़, 2050 में भारत की आबादी 1.668 अरब होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। विश्व जनसंख्या दिवस पर संयुक्त राष्ट्र ने भारत को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट दी है। यूएन का अनुमान है कि 2023 में भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा। अभी चीन सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है और भारत अगले साल उसे पछाड़ देगा। संयुक्त राष्ट्र ने खबर दी है कि नवंबर 2022 के मध्य तक दुनिया की आबादी 8 अरब तक पहुंच जाएगी। 1950 के बाद से वैश्विक जनसंख्या सबसे धीमी गति से बढ़ रही है। 2020 में जनसंख्या वृद्धि दर एक प्रतिशत से कम हो गई है।**

संयुक्त राष्ट्र के ताजा अनुमानों के अनुसार दुनिया की जनसंख्या 2030 में लगभग 8.5 अरब और 2050 में 9.7 अरब हो जाएगी। 2080 तक इसके लगभग 10.4 अरब के शिखर तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2023 में दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन सकता है। वह इस मामले में चीन को पछाड़ देगा। यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में भारत की आबादी 1.412 अरब होगी, जबकि चीन की आबादी 1.426 अरब। भारत 2023 तक दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन को पछाड़ देगा। अनुमान है कि 2050 में भारत की आबादी 1.668 अरब होगी, तब चीन की आबादी 1.317 अरब होगी।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने कहा कि इस साल धरती पर आठ अरबवें इंसान का जन्म होगा। यह हमारी विविधता का जश्न मनाने, हमारी सामान्य मानवता को पहचानने और स्वास्थ्य में प्रगति पर आश्चर्य करने का अवसर है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रगति ने मनुष्य का जीवनकाल बढ़ाया है। मातृ और बाल मृत्यु दर में नाटकीय रूप से कमी आई है। साथ ही यह धरती की देखभाल करने की हमारी साझा भागीदारी की भी याद दिलाता है। गौरतलब है कि 2022 में दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया हैं। इनमें 2.3 अरब लोग रहते हैं। ये वैश्विक आबादी के 29 फीसदी हैं।

# गुजरात में बाढ़, 61 की मौत, पीएम ने मांगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। गुजरात में भारी बारिश और कई जिलों में बाढ़ से बिगड़ते हालातों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएम भूपेंद्र पटेल से फोन पर बात की। गुजरात सीएम कार्यालय द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में भारी बारिश से पैदा हुई गंभीर स्थिति के बारे में जानकारी ली और रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री पटेल ने पीएम मोदी को पिछले 48 घंटों में राज्य की स्थिति के बारे में बारे में पूरी जानकारी दी।**

सीएम कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। वहीं अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण और मध्य गुजरात के जिलों में बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। इसके चलते निचले इलाकों में पानी भर गया है। इन क्षेत्रों से करीब 1,500 लोगों को निकाला गया है। वहीं मौसम विभाग ने दक्षिण गुजरात के डांग, नवसारी और वलसाड जिलों में अगले पांच दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो छोटा उदयपुर में बोडेली तालुका में रविवार को शाम 6 बजे तक सिर्फ 12 घंटों में 433 मिमी बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। गुजरात में पिछले 48 घंटो से हो रही बारिश से हालात भयावह होते जा रहे हैं। छोटा उदयपुर और नर्मदा जिले में नदियां उफान पर हैं। गुजरात के नवसारी और वलसाड जिले में 700 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। गुजरात में बारिश और बाढ़ के कारण इस साल अब तक 61 मौतें हो चुकी हैं। यहां के अहमदाबाद में बारिश से बुरा हाल है। हर जगह पानी ही पानी भर गया है। इस कारण स्कूलों को भी बंद किया गया है। एनडीआरएफ की 13 और एसडीआरएफ की 16 टीमों को लगाया गया है। वहीं बारिश के कारण दक्षिण और मध्य गुजरात के 388 रास्ते बंद हो चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।